

संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव पर्यावरण संरक्षण हेतु 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस की स्थापना की गई। हमारे विद्यालय ने प्रकृति के साथ सद्भाव को बढ़ावा देनेवाली स्थायी प्रथाओं को अपनाने और जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विश्व पर्यावरण दिवस का एक जीवंत उत्सव आयोजित किया, जो ‘प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ’ विषय पर केंद्रित था। कार्यक्रम की कुशल मेज़बानी दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने की। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ हुई, इसके बाद डी.ए.वी. गान हुआ। कक्षा दसवीं की छात्रा ने इस दिन के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए सभा का गर्मजोशी से स्वागत किया। अक्षया लक्ष्मी ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्त्व पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के थीम गीत ‘प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना’ पर अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया। पर्यावरण के प्रति उनकी ऊर्जा, उत्साह और जुनून हर कदम पर चमकता हुआ दिखाई दिया, जिससे उत्सव में एक जीवंत और रचनात्मक स्पर्श जुड़ गया। मनुष्य की विनाशकारी गतिविधियों का कुप्रभाव हमारी पृथ्वी पर निरंतर पड़ता जा रहा है। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ‘गैलरी वॉक’ के दौरान छात्र-छात्राओं के विचारोत्तेजक प्रदर्शनों और प्रस्तुतियों ने धरती पर पड़नेवाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। प्रभारी पर्यवेक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके बाद एकता और शांति की भावना को मज़बूत करते हुए शांति पाठ की भावपूर्ण प्रस्तुति हुई। यह कार्यक्रम हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी को दर्शाते हुए शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है, जो विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

विश्व पर्यावरण दिवस - 2025-26



प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना - नृत्य प्रस्तुति



‘गैलरी वॉक’ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विचारोत्तेजक प्रदर्शन